दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

UTTHIN/2022/85670

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 23 | हरिद्वार | शनिवार, 21 जून, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र से 63.60 करोड़ अनुरोध

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट कर राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के दृष्टिगत केंद्रीय गृह मंत्री से देहरादून में 卐साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस卐 की स्थापना के लिए 63.60 करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति का अनुरोध किया है। यह सेंटर डिजिटल अपराधों की रोकथाम, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक और आधुनिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य की विद्युत अधोसंरचना को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति पर चर्चा करते हुए अवगत कराया कि छोटे हिमालयी राज्यों की भौगोलिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण

परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाया जाए। इससे राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक प्रभावी व सशक्त होगा।मुख्यमंत्री ने सितारगंज केंद्रीय कारागार के विस्तार के प्रस्ताव पर 150.16 करोड़ रुपये की लागत से शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित उत्तराखण्ड ग्लोबल इनवेस्टर समिट-2023 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य ने 3.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस उपलब्धि को राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए 'उत्तराखण्ड निवेश उत्सव' का आयोजन प्रस्तावित है, जिसे पंतनगर-रुद्रपुर के औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री के सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'नए भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग राज्य के विकास को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

खंडित हुई भीम की प्रतिमा

हरिद्वार। भीमगोड़ा कुंड पर महाबली भीम की प्रतिमा खंडित हो गई है। प्रतिमा की उंगली और गदा क्षतिग्रस्त होने से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। स्थानीय संतों और समाजसेवियों ने मौके का निरीक्षण कर नाराजगी जताई और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। श्रीअखंड परशुराम अखाड़ा से जुड़े महंत शुभम गिरी ने कहा कि भीमकुंड पौराणिक महत्व का स्थल है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में खंडित प्रतिमा वहां की गरिमा को ठेस पहुंचा रही है।

चेन चुराने वाली अंतर्राज्यीय महिला मेवाती गैंग का किया भंडाफोड़

हरिद्वार। चोरी की 6 चैनों के साथ मेवाती गैंग की चार महिलाएं और एक पुरुष को पौड़ी पुलिस ने भीमगोडा बैराज के पास से गिरफ्तार किया।विगत 5 जून को दिनेश डालमिया,निवासी-गीताभवन-न0-3, स्वर्गाश्रम द्वारा थाना लक्ष्मणझूला पर एक शिकायती प्रार्थना दिया गया था,जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि हम गीता भवन नंबर-3 के घाट पर महाराज राजेंद्र दास के प्रवचन सुनने आये थे, वहां पर काफी संख्या में सत्संगी लोग उपस्थित थे, वहां पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 10 महिला श्रद्धालुओं की धारण की गई सोने की चेनों को गले से शातिराना ढ़ग से चोरी कर लिया है। इस सम्बन्ध में थाना लक्ष्मणझूला पर पुलिस द्वारा मु.अ.सं 40/25, धारा-303(2) क्व्हस्र बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। वरिष्ठ पुलिस पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी की इस घटना को गम्भीरता से लेते हुये अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के लिए टीम गठित करने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह व क्षेत्राधिकारी श्रीनगर अनुज कुमार की निगरानी में व थानाध्यक्ष लक्ष्मणझूला संतोष पैथवाल के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा थाना क्षेत्र के आस-पास लगे लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों को चैक करते हुए व सर्विलांस व विभिन्न माध्यमों से जानकारी जुटाने पर सोने की चेन लूटने वाले मेवाती गैंग के पांच महिला सक्रिय अभियुक्तों सुषमा सिंह, प्रीति, रीना, रश्मि, व वकीला सिंह को भीमगोड़ा बैराज से आगे चंडी देवी मार्ग के पास से चोरी की गई 06 सोने की चेनों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैन, संवादाताओं की।

सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अपीलीय समिति की बैठक हुई आयोजित

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अपीलीय समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमे शासनादेश संख्या 262231/ङ्क्ढ्ढ(4)-31(2)/2005-ञ्ज्ञष्ट(22078) दिनांक 18 दिसम्बर 2024 व शासनादेश संख्या 1451 /ङ्क्ढ्ढ(4)/2024-31(2)/2005-ञ्ज्ञष्ट(द्ग-22078) मैं दी गई व्यवस्था के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ती और सहायिका के रिक्त पदों पर चयन समिति के द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की अनन्तिम चयन सूची पर प्राप्त ऑन लाइन और ऑफ आपत्तियों पर आपत्तिकर्ताओं की सुनवाई की गई। बाल विकास परियोजना रुड़की द्वितीय और बहादराबाद द्वितीय की 14 ऑनलाइन और एक ऑफलाइन शिकायत पर सुनवाई की गई जिसमे कुछ शिकायत निराधार पाई गईं दो आपत्तियों पर जाँच हेतु निर्देश दिये गए। बैठक में जितेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी हरिद्वार, आशुतोष भंडारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अभिजीत सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सुलेखा सहगल, बाल विकास परियोजना अधिकारी, धर्मवीर सिंह और वर्षा शर्मा तथा अपीलार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में दो दिवसीय सेमिनार का हुआ समापन

पिथौरागढ़। महाविद्यालय बलुवाकोट व सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट में भारत की वंचित समूह का सशक्तिकरण,विषमताओं व चुनौतियों का समाधान एवं भविष्य की दिशा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन हो गया। सेमिनार के दूसरे दिन सभी विद्वानों ने वंचित वर्गो के विकास पर चर्चा कर शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. सुभाष वर्मा,नरेंद्र सिंह भंडारी,विशिष्ट अतिथि डॉ .देवेंद्र सिंह बिष्ट व विशिष्ट अतिथि किच्छा कालेज के प्राचार्य एवं पूर्व उपनिदेशक डॉ. राजीव रतन रहे। मुख्य अतिथि भंडारी ने कहा कि वंचित समूह के उत्थान के लिए हम सभी को सहयोग कर जागृति लानी होगी।

सम्पादकीय

योग पुरातन है

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दु:ख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए।

ईवीएम/वीवीपैट श्री लेयर सिक्योरिटी में सुरक्षित

हरिद्वार। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.बीवीआरसी पुरूषोत्तम ने मंगलवार को वेयर हाउस पहुॅचकर त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में डबल लोक में रखी बीयू, सीयू, वीवीपैट का राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गहनता से निरीक्षण किया और वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि अग्निशमन यंत्रों को एक्सपायर होने से पहले ही बदलने के निर्देश दिये। उन्होंने बरसात के दृष्टिगत ईवीएम को सीलन से बचाव तथा विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये। ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर सभी दलों के प्रतिनिधियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।उन्होंने निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कंट्रोल रूम, ईवीएम एवं वीवीपीएटी रूम, आगंतुक पंजिका, पुलिस निरीक्षण पंजिका, पॉवर सप्लाई, फायर फाइटिंग उपकरण, पुलिस कर्मियों की तैनाती, वेयर हाउस परिसर के चारों ओर सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं आदि का विस्तार से जायजा लिया।

संपत्ति को लेकर बहन भाई में विवाद

हरिद्वार। भूपतवाला क्षेत्र में पारिवारिक संपत्ति को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने मंगलवार को चार दिन पुराने मामले में दोनों ओर से मुकदमा दर्ज कर लिया है। भूपतवाला के सुदर्शन अपार्टमेंट निवासी पुष्पा रानी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके सगे भाई भारत भूषण थरेजा निवासी सुभद्रा कॉलोनी दिल्ली संपत्ति हड़पने की नीयत से उनके परिवार पर दबाव बना रहे हैं। आरोप लगाया कि भारत भूषण ने 6 जून को अन्य परिजनों के साथ उनके घर में घुसकर संपत्ति ट्रांसफर करने के लिए धमकाया।

पूनम की प्रगति : ग्रामोत्थान परियोजना से सशक्त हुई एक ग्रामीण महिला उद्यमी

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में जनपद हरिद्वार के सभी विकासखंडों में अल्ट्रा पूअर सपोर्ट एंटरप्राइजेज (फॉर्म एवं नॉन-फॉर्म) और सीबीओ स्तर पर विभिन्न उद्यमों की स्थापना की जा रही है। इसी दिशा में उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति द्वारा संचालित ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।भगवानपुर ब्लॉक के कुजा बहादरपुर गांव की पूनम देवी पहले मजदूरी करके महीने में ?5,000 से ?7,000 की आय अर्जित करती थीं।आजीविका का कोई स्थायी साधन नहीं था, केवल दो सूअर ही उनके पास थे जिन्हें पशुबाड़ा न होने के कारण खुले में रखना पड़ता था। इससे उनकी आय में भी कोई विशेष वृद्धि नहीं हो पा रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत उन्हें एकल उद्यम गतिविधि के लिए चयनित किया गया। सीएलएफ स्टाफ एवं ब्लॉक रीप टीम के मार्गदर्शन में पूनम देवी ने ?50,000 का बैंक लोन, ?20,000 का स्वयं का अंशदान तथा ?30,000 ग्रामोत्थान परियोजना से प्राप्त कर कुल ?1,00,000 की लागत से एक नया सूअर बाड़ा बनवाया और मादा सूअर की खरीद की। इस सहयोग का परिणाम यह हुआ कि आज पूनम देवी के पास 12 बच्चे सूअर, 6-7 वयस्क सूअर एवं एक मादा सूअर हैं। वह अब प्रति तिमाही ?15,000 से ?20,000 की आय अर्जित कर रही हैं और मजदूरी पर निर्भर नहीं रह गई हैं। उन्हें 'लखपति दीदी' कार्यक्रम में शामिल किया गया है और खंड विकास अधिकारी भगवानपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया है। पूनम देवी की यह सफलता कहानी यह सिद्ध करती है कि सही मार्गदर्शन और वित्तीय सहयोग से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने परिवार का जीवन स्तर बेहतर कर सकती हैं। यह प्रेरणा अन्य जरूरतमंद महिलाओं को भी उद्यमिता की राह पर चलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

सोलर पंपिंग योजना बुझा रही गुल्डी गांव के लोगों की प्यास

नई टिहरी। चंबा ब्लाक के गुल्डी गांव में जल संरक्षण एवं संवर्द्धन को लेकर जल जीवन मिशन के तहत 44 लाख रुपये की लागत से बनी सोलर पंपिंग योजना 5 से अधिक परिवारों को पानी दे रही है। जिससे गांव के लोगों को पर्याप्त पेयजल की सुविधा मिल रही है। केन्द्र सरकार की जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल हर घर जल योजना के तहत गुल्डी गांव लगभग 44 लाख रुपये की लागत से बनाई सोलर पंपिंग योजना ग्रामीणों को खासी लाभान्वित कर रही है। इस योजना से गांव के लगभग 55 परिवारों को पर्याप्त पानी मिल रहा है। ग्रामीण योजना से खासे संतुष्ट नजर आ रहे हैं। योजना को लेकर ईई पेयजल निगम चम्बा केएन सेमवाल ने बताया कि गुल्डी में ग्रेवटी का स्रोत उपलब्ध न होने के कारण सोलर पंपिंग योजना बनाई गई। इसके तहत गुल्डी गांव के ऊपर एक टैंक बनाया गया है। गांव के नीचे जल स्रोत से पानी टेप करके पंपिंग के माध्यम से पानी के टैंक तक पहुंचाया जाता है। पेयजल टैंक की जलाशय क्षमता 3 हजार किलोलीटर है। इससे तकरीबन 5 से 55 परिवारों को पेयजल आपूर्ति हो रही है। उन्होंने बताया कि पंपिंग स्टेशन का रख-रखाव एवं संचालन ग्राम पंचायत गुल्डी ही कर रहा है। ग्राम प्रधान गुल्डी परमजीत सिंह सजवान का कहना है कि हमारे यहां पहले पीने का पानी चंबा पंपिंग योजना से आता था, जो 2-3 दिन में गांव पहुंचता था। सोलर पंपिंग योजना से हमारे यहां स्टोरेज टैंक और वाटर सप्लाई टैंक का निर्माण किया गया है। इस योजना के तैयार होने के बाद से अब गुल्डी गांव के लोगों को पानी की किल्लत से नहीं जूझना पड़ता है।

सेक्टर टू बैरियर से भगत सिंह चौक पर शिफ्ट होगा वेंडिंग जोन

हरिद्वार। सेक्टर टू बैरियर से वेंडिंग जोन को भगत सिंह चौक के निकट शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए मंगलवार को नगर निगम के अधिकारियों ने पार्षद और लघु व्यापार एसोसिएशन के नेताओं के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

पहाड़ की हो रही है उपेक्षा,सरकार अपनी पीठ खुद ठोक रही

रमेश राम

लोहाघाट/ चम्पावत/टनकपुर। पर्वतीय क्षेत्रों के गांवों की घोर उपेक्षा व नजरअंदाज किए जाने के कारण उत्पन्न मूलभूत तमाम समस्याओं से मजबूरी में ही गांव वाशिंदे अपनी जरुरी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए ही प्रतिवर्ष कई परिवार कस्बों व नगरों की तरफ दबाव के कारण प्रतिकूल विभिन्न विषम परिस्थितियां पैदा होती जा रही हैं। पहले ही विषम भौगोलिक स्थिति में पर्वतीय क्षेत्र से घिरे जनमानस बेहद संघर्षों में जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं सरकारों की उनके प्रति घोर लापरवाही एवं संवेदनशील न होने तथा सुनियोजित विकास के लिए चिंतन - मंथन से दूरी रखने से पलायन ने छूत की रोग सी बीमारी (पेस्टिलेंस)ले ली हैं। एक -दूसरे की देखा- देखी व स्वाभाविकता भविष्य की डोर खतरे में संभावित दिखाई देने पर पलायन ही एक सुरक्षित व राष्ट्र की मुख्य धारा में जुड़ने को ही अपना व परिवारों का भविष्य सुरक्षित समझ रहे हैं। यानी कि जनमानस में अपने ही पहाड़ के प्रति अत्यधिक एवं अस्वाभाविक भय तथा अरुचि (फोबिया) के भाव पैदा होते जा रहे है। जिसका नतीजा पलायन के रूप में दिखाई दे रहा है। सच तो यह है

कि अभी तक शासन -प्रशासन एवं जनता जनार्दन के सेवकों ने पहाड़ को जीवित रखने हेतु गंभीरता से चिंतन - मंथन करने की पहल की ही नहीं है। यदि कोई कहे भी कि हमने पहाड़ों का चौतरफा विकास किया है। तो पहाड़ को कमर टूटने एवं छिन्न -भिन्न होने की नौबत क्यों दिखाई दे रही हैं। जबकि सारे जनप्रतिनिधि इसी पहाड़ी राज्य के मूल निवासी ही हैं। तथा वे बखूबी से पहाड़ी क्षेत्रों की तमाम विषमताओं से बारीकी से जानते हुए भी नजरअंदाज करते आ रहे हैं। क्योंकि वे तो अपनी मात्र- भाषा, संस्कृति व जमीन से जुड़ी अनेकों यादें भुलाकर गांव/क्षेत्र छोड़कर महानगरों में अपने आशियाने बना बैठे है। तो उन्हें क्या जरूरत व लगाव है इन पहाड़ों से। पहाड़ तो उनके लिए एक कामधेनु है।आजकल पलायन शब्द तो ज्यादा ही नेताओं, समाजसेवकों व अन्य चतुर चालाक लोगों की जुबान पर उछल रहा हैं। कि पलायन से पहाड़ खोखले व खण्डर होते जा रहें हैं। राजनीतिक गहमा- गहमी भी देखी जा रही है। पलायन रोकने को तमाम अपने- अपने तौर- तरीकों से भ्रमण गोष्ठियां हो -हल्ला चिंताएं भी जताई जा रही हैं। कि पलायन पहाड़ के विनाश का नासूर बनता जा रहा हैं। अब यक्ष प्रश्न गले से नीचे नही उतरता कि वे नेता समाजसेवा व अनेक अलंकरणों से विभूषित बुद्धि जन- मानस जो चिल्ला -चिल्लाकर पलायन को रोकने की बकायत कर रहे हैं। वे ही कई सालों पहले अपने पूर्वजों के गांव -गली को छोड़कर चल बसे हैं सुख सुविधाओं के नगरों में। यही तक नहीं कई दशकों से गांव की तरफ मुड़कर नहीं देखा। हां, तो ऐसे पहाड़ के लोग पलायन रोकने की बात कर रहे है। शर्म आनी चाहिए पहले खुद पर काली छाया आने को रोको तब औरों को कहना भी ठीक लगता है। अन्यथा तुम्हारी पलायन रोकने की पहल करने का कोई मायना ही नहीं है। हां, जनसभाओं एवं समाचार पत्रों में छपवाकर पलायन नहीं रोका जा सकता हैं। खुद तो पहाड़ को छोड़ चले हैं। दूसरों को कहते आ रहे हैं कि पहाड़ में ही डंटे रहो। स्वर्ग से सुंदर हैं ये हमारे पहाड़। कोई इस तरह सोचने वाले है ही नहीं। अस्पताल बिना डॉक्टरों के खाली पड़े हैं पहाड़ों के डॉक्टर खाली घूम रहे हैं। सेवाओं में शिथिलता देकर उनसे सेवा लेने पर विचार करे पहाड़ के लोगों के प्रति सरकारों की अनदेखी व पहाड़ के प्रति जिम्मेदार न निभाने पर गांव के वाशिंदों के पास पलायन के सिवाय कोई विकल्प हैं भी तो नहीं। खाली हो रहे स्कूलों, अस्पतालों में डॉक्टरों को भेजने, पहाड़ी परिवेश के मुताबिक वहां पर खेती न करने के तरीके, दिनों- दिन जंगली जानवरों से खेती एवं जानमाल को नुकसान पहुंचाने, नदियों से खेतों में सिंचाई हेतु पानी न पहुंचने के तरीके, सरकार के नाक के नीचे भ्रष्टाचार की जड़ों को समूल नष्ट न करने, कर्मचारियों का हड़ताल किए जाने पर रोक न लगाने, नेताओं अधिकारियों के पहाड़ के प्रति सकारात्मक आत्मीय उन्नति के लगाव व कुशल कार्य प्रणाली का दायित्व न निभाना। पांच हजार की नौकरी के लिए युवा शक्ति का शहरों की तरफ भागना, सरकारी सुविधाओं का गांव- गांव में न जाकर संज्ञान दिलाना। विद्युत सड़कों की खस्ता हालातों व अन्य कई मूलभूत समस्याओं के कारण ही पहाड़ का जनमानस पलायन होने को मजबूर है। ऐसा भी नहीं कि इस पलायन की घातक बीमारी से निजात न मिले, लेकिन कोई मर्ज को तो समझे व उसे दूर करने की सोच व नीति बनाए। लेकिन अधिकार सम्पन्न तंत्र अपनी रोटी रोकने व राजनीतिक पद बचाने की जोड़- जुगत में ही मशगूल हैं। आज पहाड़ में अनजान लोगों की चहल -कदमी नित रोज दिखाई दे रही है। ये लोग कौन हैं, क्या हैं, इनसे कोई जांच पूछने वाले नहीं हैं जो कि सामरिक दृष्टिकोण से पहाड़ के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

तीर्थ सेवा न्यास करेगा विश्व सनातन महापीठ की स्थापना,पांच सौ करोड़ खर्च होंगे महापीठ की स्थापना पर

हरिद्वार। तीर्थ सेवा न्यास ने हरिद्वार में विश्व सनातन महापीठ की स्थापना की घोषणा की है। महापीठ में युवाओं को शास्त्र, शस्त्र और रोजगारपरक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रैस क्लब में पत्रकारों को जानकारी देते हुए न्यास के संरक्षक व परमाध्यक्ष बाबा हठयोगी महाराज ने बताया कि विश्व सनातन महापीठ भारतवर्ष में सनातन धर्म की गौरवशाली पुनर्स्थापना, संत परंपरा के संरक्षण और वेद-धर्म-संस्कृति के प्रचार का एक दिव्य केंद्र होगा। यह केवल एक तीर्थ स्थान नहीं, अपितु युग निर्माण की योजना है। जहां सनातन धर्म का दर्शन, पराक्रम, परंपरा, विज्ञान और संस्कृति एक साथ जीवंत होंगे। अध्यक्ष राम विशाल दास महाराज ने कहा कि विश्व सनातन महापीठ वह पवित्र केंद्र होगा, जहां शास्त्र और शस्त्र एक साथ प्रतिष्ठित होंगे। यज्ञ से ऊर्जा, तप से शक्ति, सेवा से राष्ट्र निर्माण और सदाचार से समाज का निर्माण होगा। यह युग निर्माण का केंद्र होगा। रामविशाल दास महाराज ने बताया कि महापीठ की स्थापना के लिए भूमि चयन समिति का गठन किया गया है। शीघ्र ही भूमि का चयन कर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्व सनातन महापीठ के प्रथम चरण का अनुमानित

बजट 300 करोड़ रूपए है। जबकि पूर्ण निर्माण व्यय 500 करोड़ प्रस्तावित है। भूमि पूजन 21 नवम्बर 2025 तथा गौ संरक्षण एवं यज्ञशाला का उद्घाटन 21 नवम्बर 2026 को किया जाएगा। महापीठ का उद्घाटन समारोह 22 फरवरी 2029 को आयोजित किया जाएगा। रामविशाल दास महाराज ने बताया कि महापीठ में 108 यज्ञशालाओं का निर्माण किया जाएगा। वैदिक गुरुकुल की स्थापना कर शास्त्र, संस्कृत, वेद, आयुर्वेद, ज्योतिष आदि विषयों की प्राचीन परंपरा अनुसार शिक्षा दी जाएगी। देशी गौ संरक्षण एवं शोध केन्द्र की स्थापना होगी। चारों शंकराचार्यों, सभी तेरह अखाड़ों के आचार्य महामण्डलेश्वरों एवं महन्तों हेतु स्थायी संत निवास का निर्माण किया जाएगा। 108 संत कुटिया, 1008 भक्त निवास भवन, तपस्वियों व भक्तों के स्थायी आवास बनाए जाएंगे। धर्मादेश मंच की स्थापना कर पूरे देश हेतु सनातन जीवन के संबंध में दिशानिर्देश व आदेश जारी होंगे। वातानुकुलित संसद परिसर का निर्माण किया जाएगा और प्रत्येक वर्ष 'सनातन संसद' का आयोजन किया जाएगा। संस्कार एवं शौर्य प्रशिक्षण केन्द्र में प्रतिवर्ष 1,00,000 संस्कारित युवा योद्धाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। जो आवश्यकता पड़ने पर धर्म और राष्ट्र रक्षा में संकल्पपूर्वक भाग लेंगे। शस्त्र विद्या, आत्मरक्षा, धर्म युद्ध नीति एवं सैन्य अनुशासन के लिए अभ्यास केंद्र बनाया जाएगा। स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना भी की जाएगी। जिसमें युवा वर्ग को शिल्प, आयुर्वेद, कृषि, गौसेवा, डिजिटल सेवा आदि में आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। महापीठ में सभी मत-पंथ-सम्प्रदायों हेतु प्रतिनिधित्व स्थलों का निर्माण किया जाएगा। सनातन संग्रहालय और धर्म साहित्य भंडार के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक धरोहर का संग्रह, संरक्षण और प्रचार किया जाएगा। महंत ओमदास महाराज ने कहा कि महापीठ का निर्माण योजनाबद्ध तरीके से होगा, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और सभी कार्य समय पर पूर्ण किए जाएंगे। विश्व सनातन महापीठ केवल वर्तमान की नहीं, आने वाले सैंकड़ो वर्षों की योजना है, जो भारत को धर्म, दर्शन, विज्ञान और नेतृत्व में फिर से विश्वगुरु बनाएगी। पत्रकार वार्ता में समन्वयक शिशिर चौधरी, उपाध्यक्ष अशोक सोलंकी, डा.बृजेंद्र राजपूत आदि मौजूद रहे।

17 दिनों में फूलों की घाटी का 1812 देशी-विदेशी पर्यटकों ने किया दीदार

चमोली। चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी इन दिनों पर्यटकों की आवाजाही से गुलजार है। यहां 17 दिनों में घाटी के दीदार को 1812 पर्यटक पहुंच गए हैं। वहीं घाटी में बारिश होने से घाटी में फूलों के खिलने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी गत 1 जून को पर्यटकों की आवाजाही के लिए खोली गई। जिसके बाद यहां देशी और विदेशी पर्यटकों की आवाजाही अच्छी संख्या में हो रही है। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान की एसडीओ सुमन ने बताया कि घाटी में आवाजाही शुरु होने के 17 दिनों में यहां 1812 देशी और विदेशी पर्यटक घाटी के दीदार के लिए पहुंच गए हैं। बताया कि जहां 1794 भारतीय पर्यटकों ने घाटी का दीदार किया है। वहीं वर्तमान तक 18 विदेशी पर्यटक घाटी के दीदार के लिए पहुंचे हैं। कहा कि घाटी के दीदार के लिए पहुंच रहे पर्यटकों से नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान ने 3 लाख 43 हजार 250 की आय अर्जित कर ली है। उन्होंने कहा कि जहां घाटी में हो रही बारिश के चलते अब घाटी में अभी कुछ फूल खिलने लगे हैं। जबकि जुलाई से अगस्त के बीच घाटी फूलों से लकदक रहती है।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एन रवि शंकर ने कार्यशाला में विकास को सुझाव मांगें

हरिद्वार। 6वें राज्य वित्त आयोग के तत्वाधान में आयोग के अध्यक्ष एन रवि शंकर की अध्यक्षता में सीसीआर सभागर में स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों, त्रि-स्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधियों तथा राजनैतिक मान्यता प्राप्त पार्टियों के प्रतिनिधियों के विचार-विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा सभी से सुझाव लिये गये। आयोग के अध्यक्ष एन रवि शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग एक अप्रैल 2026 से अगले पांच साल अर्थात 31 मार्च 2031 तक की अवधि के लिए अपनी सिफारिश देगा। उन्होंने बताया कि आयोग त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति के आंकलन हेतु सभी जनपदों में विचार-विमर्श कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य वित्त आयोग की संस्तुति प्रतिशत में होगी। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग चार मानकों- जनसंख्या, क्षेत्रफल, विशिष्ट परिस्थितियों तथा रेल हैड से दूरी के आधार पर अपनी संस्तुति देगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य गांव से शुरू होता है, पंचायतें आर्थिकी

की रीढ़ हैं, पंचायतें सशक्त होने पर विकसित भारत का सपना आसानी से साकार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य विविधता वाला राज्य है और राज्य में अलग-अलग स्थानों पर परिस्थितियां भी अलग हैं, जिस कारण सभी जिलों को एक ही पैरामीटर में रखना कठिन है। उन्होंने कहा कि आयोग एकीकृत चहुँमुखी विकास की दृष्टि से अपनी संस्तुतियां प्रस्तुत करेगा। इस दौरान स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों, त्रि-स्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधियों ने जल भराव, फ्लोटिंग जनसंख्या, त्रि-स्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधियों के मानदेय में वृद्धि, आय के संसाधन बढ़ाने हेतु ग्राम पंचायतों को तालाबों के कॉमर्शियल उपयोग हेतु अधिकार देने सहित विभिन्न विषयों पर अपने-अपने सुझाव दिये। राजनैतिक मान्यता प्राप्त पार्टियों के प्रतिनिधियों बीजेपी जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने फ्लोटिंग आबादी के लिए अलग से वित्तीय व्यवस्था, मेलों के संचालन हेतु राज्य में स्पेशल पुलिस बटालियन की व्यवस्था जोकि राज्य के मेलो के संचालन का कार्य देखे, मेला प्राधिकरण का गठन किया जाये, हिल बायपास, प्राधिकरण के माध्यम से गरीबों के लिए आवास हेतु लैंड बैंक स्थापना, कूड़ा प्रबन्धन हेतु विशेष व्यवस्था व ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण मित्रों व स्टाफ उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में तथा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष चन्द्रपाल ने मध्यम वर्ग के लिए भी आवास योजना, समरसता भवन के विषय में व सीपीआई से राजीव गर्ग द्वारा लिखित में सुझाव पत्र दिया गया। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विषयों पर सुझाव दिये। राज्य वित्त आयोग ने जनप्रतिनिधियों को सुझाव दिये कि जनपद के विकास हेतु सभी त्रि-स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि आपसी समन्वय से कार्य करें, आवश्यक बड़ी योजनाओं को विभिन्न विभागों की योजनाओं के साथ कन्वर्जेन्स करते हुए पूरा किया जाये तथा राजस्व साझा करने वाली योजनाओं पर भी फोकस किया जाये। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायते ग्राम स्तर पर, क्षेत्र पंचातयत दो या अधिक ग्रामों को जोड़ने वाले कार्यों को तथा जिला पंचायत बड़े स्तर पर कार्य करें। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत नेट योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर नेट सुविधा हेतु बीएसएनएल के अधिकारियों के साथ वार्ता की जाये। बैठक में मेयर हरिद्वार किरन जेसल, रूड़की से अनीता अग्रवाल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत अमित कुमार, ब्लॉक प्रमुख नितीश कुमार, करूणा कर्णवाल, राव लुबना, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, नगर आयुक्त नंदन कुमार, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

लिफ्ट एवं आरओ खराब होने पर डीएम का चढा पारा; सीएमएस को फटकार

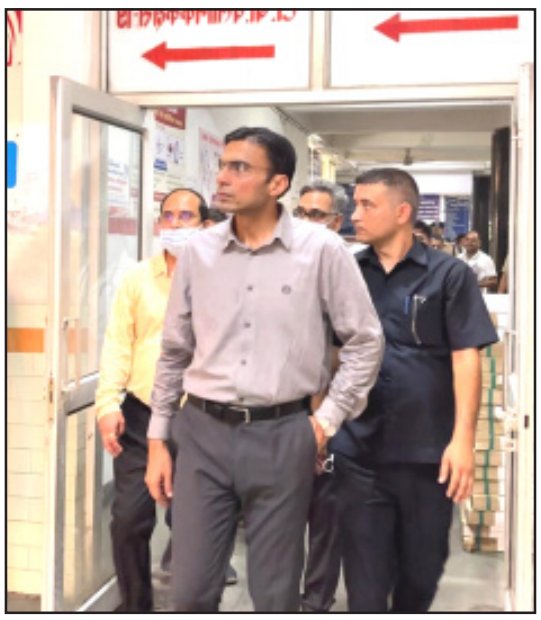

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय के ओपीडी कक्ष, पैथोलॉजी लैब, दवाई वितरण कांउटर, सर्जिकल वार्ड, आपरेशन कक्ष, टीकाकरण कक्ष, टीबी वार्ड, ट्रामा सेन्टर, बाल रोग वार्ड, एक्स-रे कक्ष, आईसीयू का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से उनका हॉलचाल जाना तथा टीकाकरण कक्ष में स्टॉप, महिलाओं, तीमारदारों से चिकित्सालय में व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी ली। लिफ्ट संचालित न होने तथा आरओ खराब होने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश। जिलाधिकारी ने टीकाकरण विस्तारीकरण, टीकाकरण कक्ष में एसी, डिजिटल प्रिंटर लगाने, टीकाकरण में स्टॉप बढाने तथा एसएनसीयू संचालन के लिए स्टॉफ भर्ती स्वीकृति/निर्देश दिए। सीएम के निर्देश; जनमन के सरकारी चिकित्सालय हो सुविधायुक्तकरने के निर्देशों के क्रम में डीएम जिले में सरकारी अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से आच्छादित करने में जुटे है। डीएम का पूरे 2 घंटे का औचक निरीक्षण, चिकित्सालय को दे गया सौगात, जल्द होगा अस्पताल का अपना स्ह्रष्ट बड़ा टीकाकरण केन्द्र। जिला चिकित्सालय की तर्ज पर अब ऋषिकेश चिकित्सालय में बनेगा मॉडल टीकाकरण कक्ष, विस्तारीकरण के साथ फैसिलिटी भी, एसी, व बच्चों के मनोरंजन अनुरूप सुविधा स्थापित किया जाएगा। डीएम के माह अक्टूबर के प्रथम निरीक्षण की तुलना इस विजिट में चिकित्सालय की सुविधा में बड़ा अन्तर दिखाई दिया है। डीएम ने सुविधाओं को निरंतर बढाने के निर्देश दिए। उप जिला चिकित्सालय की अपनी पहली विजिट में डीएम ने 40 लाख ब्लड सेपरेटर मशीन की थी स्वीकृत की थी जो इसी माह स्थापित की जा रही है। डीएम ने लैब टेक्निशियन, एसएनसीयू स्टॉफ पदों की मौके पर ही स्वीकृति दी। डीएम ने अपनी फर्स्ट विजिट; में चिकित्सालय का आईसीयू संचालित कराया था माह में लगभग 50 मरीज लाभ ले रहे हैं। चिकित्सालय में संचालित चन्दन लैब में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए डीएम ने सीएमएस को 15 दिन में व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिए। वहीं चन्दन लैब अब 24म7 रहेगी संचालित करने तथा लैब का भुगतान एसडीएम एसीएमओ के सत्यापन उपरान्त ही दिए जाने को कहा। डीएम ने चिकित्सालय में महिला,पुरूष, बुजुर्ग एवं सामान्य वर्ग के होंगे अलग-2 दवा वितरण कांउटर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम की नजर खराब लिफ्ट एवं आरओ खराब पर पड़ी जिस पर डीएम का पारा चढ गया। उन्होंने सीएमएस को फटकार, एक सप्ताह के भीतर ठीक कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चंदन लैब में अव्यवस्थाओं पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को फटकार लगाई तथा 15 दिन के भीतर निर्धारित शर्तों के अनुसार व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए ।

देहरादून में विशेष स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को स्वास्थ्य और सूचना विभाग की ओर से देहरादून में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया गया, जिसमें 350 से अधिक पत्रकारों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्रकारों के स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता दिखाते हुए गत दिनों अधिकारियों को पत्रकारों के लिए विशेष मेडिकल कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में मंगलवार को रिंग रोड स्थित सूचना निदेशालय परिसर में विशेष स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सकों ने पत्रकारों की स्वास्थ्य जांच करते हुए, परामर्श दिया। साथ ही पैथॉलॉजी सहित अन्य जांचें और आभा आईडी बनाने का काम भी मौके पर किया गया। इस विशेष स्वास्थ्य कैम्प का शुभारंभ स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने किया। इस मौके पर सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा कि पत्रकार और मीडिया कर्मियों की व्यस्तता को देखते हुए, यह कैम्प आयोजित किया गया, जिसमें एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जांच के बाद परामर्श प्रदान किया। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने कहा कि भविष्य में भी पत्रकारों के कल्याण के लिए इस तरह के कैम्प आयोजित किए जाएंगे, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पत्रकार हितों के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं, यह कैम्प इसी क्रम में आयोजित किया गया। निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि कैम्प में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. विवेकानंद सत्यावली, डॉ अंकुर पांडे, डॉ एनएस बिष्ट, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार, ईएनटी डॉ पीयूष त्रिपाठी, पैथोलॉजिस्ट डॉ उमाशंकर कंडवाल , सीएमएस डॉ रविन्द्र बिष्ट, प्राचार्य डॉ गीता जैन, सीनियर रेडियोलॉजी टेक्नीशियन महेंद्र भंडारी सहित पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com